□□□□ □□□□□
स□□स्थ्य □□□□ि□□□□ □ल□□□ □त्रा□□□
स□□स्थ्य □□□□ि□□□□ □ल□□□ □□□□□

□□□ □□□
अतारांकित प्रश्न □ख□□: 3049
05 □□□□□, 2018 □□ □□□□□□□□□□□प्रश□ □□ □त□□

महिलाओं म स्तनपान के बारे म जागरूकता

3049. □□. □ि□□ □□□□

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने को कृपा करगे किः

(क) क्या सरकार अपने पास जन्म के एक घंटे के अन्दर नवजात शिशुओं को स्तनपान करवाने वाली महिलाओं को संख्या के बारे म आंकड़े रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार ने देश म महिलाओं म स्तनपान को महत्ता के बारे म जागरूकता फैलाने के लिए कोई पहल को है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

□त□□
स□□स्थ्य और परिवार कल्या□ □□ज□ □त्री□ (श्री अश्विनी कुमा□ □□□)□

(क) और (ख): जी हां। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सवक्षण 4 (2015-16) के अनुसार, देश म तीन वष से कम आयु के 41.6 प्रतिशत बच्चों को जन्म के एक घंटे के अंदर स्तनपान कराया गया। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा □□□ग्न□-I म दिया गया है। इसके अलावा, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) पोटल पर अपलोड किए गए डाटा के अनुसार, 1,83,10,666 नवजात शिशुओं को 2016-17 के दौरान जन्म लेने के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराया गया। राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार ब्यौरा □□□ग्न□-II म दिया गया है।

(ग): स्तनपान व्यवहार को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी कायक्रम “मदस एब्सोल्युट एफेक्शन (एमएए)” लागू किया है।

- Ė इस कायक्रम के अंतगत स्वास्थ्य स्टाफ और प्रत्यायित सामाजिक स्वास्थ्य कायकता (आशा) के क्षमता निमाण हेतु उपयुक्त स्तनपान व्यवहार और साथ ही 360 डिग्री आईईसी (सूचना, शिक्षा और संप्रेषण)/बीसीसी (व्यवहार परिवतन संप्रेषण) कायकलापों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।
- Ė इसके अलावा, इस एमएए कायक्रम के तहत ग्रामीण स्तर पर आशा कमियों द्वारा माताओं से संपक करना एक प्रमुख कायकलाप है जिसका लक्ष्य भारत म सामुदायिक प्रतिभागिता द्वारा महिलाओं म स्तनपान को महत्ता के संबंध म जागरूकता बढ़ाना है।
- Ė एमएए कायक्रम म स्वास्थ्य केन्द्रों म स्तनपान को प्रोत्साहन देने तथा साथ ही समुदाय म महिलाओं को उपयुक्त स्तनपान व्यवहार के लिए कुशल परामश सहयोग देते हुए महिलाओं को जागरूक बनाने को संकल्पना को गई है।

जन्मपूव परिचया परामश और साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य और पोषण दिवस बैठकों के दौरान, गभवती माताओं म स्तनपान प्रोत्साहन को कोर थिमेटिक क्षेत्र माना गया है।

*****

जन्म के एक घंटे के भीतर तीन वष से कम आयु के बच्चों को स्तनपान कराना (%)- एनएफएचएस 4 (2015-16)

| क्र□ □□ | □□ज□ / □□ □□ज□ क्षेत्र | जन्म के एक घंटे के भीतर तीन वष से कम आयु के बच्चों □□ स□□□□□ □□□□□ (%) |
|---|---|---|
| 1 | अंडमान व नोकोबार द्वीप समूह | 41.9 |
| 2 | आंध्र प्रदेश | 40.1 |
| 3 | अरुणाचल प्रदेश | 58.7 |
| 4 | असम | 64.4 |
| 5 | बिहार | 34.9 |
| 6 | चंडीगढ़ | 33.5 |
| 7 | छत्तीसगढ़ | 47.1 |
| 8 | दादरा और नगर हवेली | 47.8 |
| 9 | दमन और दीव | 55.8 |
| 10 | दिल्ली | 29.1 |
| 1 1 | गोवा | 73.3 |
| 12 | गुजरात | 50.0 |
| 13 | हरियाणा | 42.4 |
| 14 | हिमाचल प्रदेश | 41.1 |
| 15 | जम्मू और कश्मीर | 46.0 |
| 16 | झारखंड | 33.2 |
| 17 | कनाटक | 56.4 |
| 18 | केरल | 64.3 |
| 19 | लक्षद्वीप | 54.3 |
| 20 | मध्य प्रदेश | 34.5 |
| 21 | महाराष्ट्र | 57.5 |
| 22 | मणिपुर | 65.4 |
| 23 | मेघालय | 60.6 |
| 24 | मिजोरम | 70.2 |
| 25 | नगालड | 53.2 |
| 26 | ओडिशा | 68.6 |
| 27 | पुददुचेरी | 65.3 |
| 28 | पंजाब | 30.7 |
| 29 | राजस्थान | 28.4 |
| 30 | सिक्किम | 66.5 |
| 31 | तमिलनाडु | 54.7 |
| 32 | तेलंगाना | 37.1 |
| 33 | त्रिपुरा | 44.4 |
| 34 | उत्तराखंड | 27.8 |
| 35 | उत्तर प्रदेश | 25.2 |
| 36 | पश्चिम बंगाल | 47.5 |

नोटः- सवक्षण से पूव पांच वष के दौरान अंतिम पैदा बच्चे पर आधारित

स्रोतः एनएफएचएस 4 (2015-16) तथ्य पत्रक

□□□ग्न□-II

राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार को जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराए गए नवजात बच्चों को संख्या

| क्र□ □□ | □□ज□ों / □□ राज्य क्षेत्र | □न□ □□1 □□□□□□□□□ स□□□□□ □□□□ □□ नवजात शिशुओं को संख्या |
|---|---|---|
| 1 | अंडमान व नोकोबार द्वीप समूह | 4023 |
| 2 | आंध्र प्रदेश | 7,03,848 |
| 3 | अरुणाचल प्रदेश | 4090 |
| 4 | असम | 5,93,534 |
| 5 | बिहार | 19,77,535 |
| 6 | चंडीगढ़ | 21,026 |
| 7 | छत्तीसगढ़ | 4,48,049 |
| 8 | दादरा और नगर हवेली | 6,120 |
| 9 | दमन और दीव | 1,973 |
| 10 | दिल्ली | 1,98,179 |
| 1 1 | गोवा | 13,054 |
| 12 | गुजरात | 10,62,720 |
| 13 | हरियाणा | 4,31,994 |
| 14 | हिमाचल प्रदेश | 77,536 |
| 15 | जम्मू और कश्मीर | 1,74,133 |
| 16 | झारखंड | 6,62,536 |
| 17 | कनाटक | 8,61,440 |
| 18 | केरल | 4,27,907 |
| 19 | लक्षद्वीप | 800 |
| 20 | मध्य प्रदेश | 12,84,984 |
| 21 | महाराष्ट्र | 15,68,169 |
| 22 | मणिपुर | 34,832 |
| 23 | मेघालय | 76,049 |
| 24 | मिजोरम | 18,548 |
| 25 | नगालड | 18,160 |
| 26 | ओडिशा | 5,80,439 |
| 27 | पुद्दुचेरी | 34,077 |
| 28 | पंजाब | 3,02,988 |
| 29 | राजस्थान | 12,70,703 |
| 30 | सिक्किम | 5590 |
| 31 | तमिलनाडु | 5,02,415 |
| 32 | तेलंगाना | 3,56,685 |
| 33 | त्रिपुरा | 46,800 |
| 34 | उत्तर प्रदेश | 33,06,965 |
| 35 | उत्तराखंड | 1,29,799 |
| 36 | पश्चिम बंगाल | 10,92,966 |

स्रोतः एचएमआईएस पोटल पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपलोड किया गया डाटा (22.12.2017 को स्थिति)